राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार- 2023

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने 21 भू-वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार (NGA) 2023 प्रदान किये।

- **प्रो. धीरज मोहन बनर्जी** को **फॉस्फोराइट्स और प्रीकैम्ब्रियन भूविज्ञान** में उनके अग्रणी योगदान के लिये **लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।
- **डॉ. आशुतोष पांडे** को **पूर्वी धारवाड़ क्रेटन** पर उनके शोध के लिये **राष्ट्रीय युवा भू-वैज्ञानिक** के रूप में सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार:

- **परिचय:** यह **वर्ष 1966 में खान मंत्रालय** द्वारा स्थापित इस क्षेत्र का सबसे **पुराना और प्रतिष्ठित पुरस्कार है।**
    - **वर्ष 2009 से** पहले इन पुरस्कारों को **राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार** के नाम से जाना जाता था।
- **उद्देश्य:** इन पुरस्कारों का उद्देश्य खनिज अन्वेषण, खनन प्रौद्योगिकी और खनिज लाभकारीकरण तथा मौलिक व अनुप्रयुक्त भूविज्ञान सहित **विभिन्न भूविज्ञान क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों व महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये व्यक्तियों तथा टीमों को मान्यता देना है।**
- **पात्रता:** कोई भी भारतीय नागरिक जिसने इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया हो, इस पुरस्कार के लिये पात्र है।
- **श्रेणियाँ:** इसे 3 श्रेणियों में दिया जाता है:
    - **लाइफटाइम अचीवमेंट**
    - **राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार**
    - **राष्ट्रीय युवा भू-वैज्ञानिक पुरस्कार।**
- **भूविज्ञान,** जिसे पृथ्वी विज्ञान के रूप में भी जाना जाता है, **पृथ्वी का अध्ययन है** जिसमें इसकी सतह, प्रक्रियाएँ, प्राकृतिक संसाधन, जल तथा पारिस्थितिकी तंत्र शामिल हैं। इसमें **भूविज्ञान** (**पृथ्वी की संरचना** एवं इतिहास की जाँच) और **भूभौतिकी** (पृथ्वी की आंतरिक संरचना का अध्ययन करने हेतु अनुप्रयुक्त गणित और भौतिकी) जैसे विषय शामिल हैं।

और पढ़ें: राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-geoscience-awards-2023